# दिन रैना सब बीते बीते ये कितने घोर

दिन रैना सब बीते बीते ये कितने घोर
मेरो माखन धरो ही रेह गयो न आये माखन चोर

तुम को ही ढूंढे है ये सारी दुनिया आजा सामने छिपे काहा छलियाँ,
तेरे बिन सांवरियां न मच तो ग्वालन शोर
मेरो माखन धरो ही रेह गयो न आये माखन चोर

पूछता है हम से ये गोकुल सारा
कहा गया है सांवरियां हमारा
ना अब कुछ भी दिखे जो देखू चारो और
मेरो माखन धरो ही रेह गयो न आये माखन चोर

कहती हु मैं ये उडती धुल ये,
मिल जाए जो तुझे कान्हा भूल से,
केहना उस छलिये से मोहित बंसल न कोई और
मेरो माखन धरो ही रेह गयो न आये माखन चोर

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19431/title/din-raina-sab-beete-beete-ye-kitne-ghor

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |